मोमासर उत्सव

एक नज़र में...

- मोमासर उत्सव लोक संगीत और कला का एक वार्षिक उत्सव है। इस दो दिवसीय उत्सव का आयोजन बीकानेर ज़िले के मोमासर कस्बे में किया जाता है।
- मोमासर उत्सव की परिकल्पना विख्यात लोक संगीत विशेषज्ञ श्री विनोद जोशी ने की, जो उत्सव के फेस्टिवल डायरेक्टर भी हैं।
- यह उत्सव राजस्थान की सभी 7 संस्कृतियों के लगभग 200 लोक कलाकारों का एक अनूठा संगम है। यह कला का एक ऐसा मंच है जो विभिन्न विचारों, मान्यताओं और कला प्रेमियों का खुले दिल से स्वागत करता है।
- आयोजन के दौरान लोक गीत कॉन्सर्ट्स और अनोखी व लुप्तप्राय कलाओं का प्रदर्शन किया जाता है।
- इस उत्सव में राजस्थान की समृद्ध धरती की अनमोल परम्पराओं को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलता है।
- आस-पास के गांवों और दूर-दराज़ के शहरों व देशों के करीब 10 हज़ार लोग हर साल इस खास आयोजन का हिस्सा बनते हैं।
- उत्सव के पिछले संस्करण का आयोजन 19-20 अक्टूबर 2019 को किया गया था।
- वर्ष 2019 के संस्करण में लोक संगीत, जनजातीय संगीत, कथक (जयपुर घराना) और मांगणियार लोक कलाकारों की जुगलबंदी, निर्गुण एवं सगुण भजन, हंगेरियन (जिप्सी) लोक संगीत - म्यूज़सिकास बैंड, 'खेजड़ी की बेटी' संगीतमय नाट्य प्रस्तुति के साथ ही लुप्त होती लोक कलाओं का प्रदर्शन प्रदेश भर से आए कलाकारों द्वारा किया गया।
- मोमासर उत्सव के अगले संस्करण का आयोजन 14-15 अक्टूबर 2022 को किया जाएगा।
- इस उत्सव का आयोजन मोमासर के निवासियों, जाजम फाउंडेशन, जैमिनी कॉर्पोरेशन (बेल्जियम), सुरावी चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर, संचेती टी कंपनी कोलकाता व मर्करी डिज़ाइन जयपुर के सहयोग से किया जाता है।
- सही मायने में यह एक 'कम्यूनिटी फेस्टिवल' है, जिसे गाँव के निवासी मिलकर सफल बनाते हैं। आज के इस दौर में धरातल से जुड़े ऐसे अनूठे आयोजन देख पाना बड़ा दुर्लभ है।
- इस उत्सव का उद्देश्य समृद्ध विरासत और परंपराओं का संरक्षण करना और स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार और आय का साधन विकसित करना है। यह विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सँजोये रखने और हमारी जड़ों से जुड़ने व जोड़ने की एक कोशिश है।